



दिनिक

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200



समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, पंजाब बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड असम से प्रसारित

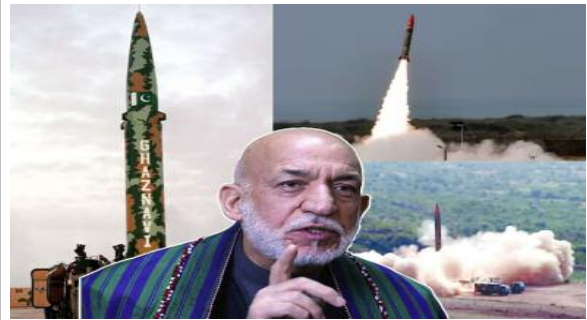
वर्ष: 3 अंक: 203 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) बुधवार 07 मई 2025

<http://samajjagran.in>

पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

हामिद करजई के एक बयान ने पाकिस्तान की अब्दाली, गजनवी और गोरी जैसी मिसाइलों की बत्ती बुझा दी!

नई दिल्ली: पाकिस्तान की 'मिसाइल डिप्लोमेसी' पर अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई के एक बयान ने तीखी चोट की है।



करजई ने न केवल पाकिस्तान की सैन्य मानसिकता पर सवाल उठाए, बल्कि यह भी बताया कि कैसे इस्लामाबाद इतिहास की गलत व्याख्या करके अपने पड़ोसियों के जख्मों पर नमक छिड़कता है। पाकिस्तान ने हाल ही में अपनी बैलिस्टिक मिसाइल 'अब्दाली' का परीक्षण किया है। पाकिस्तान के पास 'गजनवी' और 'गोरी' नाम की मिसाइलें भी हैं। इन तीनों नामों का संबंध उन ऐतिहासिक मुस्लिम आक्रांताओं से है, जिन्होंने मध्यकाल में अफगान क्षेत्र से भारत पर हमले किए थे। भले ही ये हमलावर अफगान इतिहास का हिस्सा हैं, लेकिन अफगानिस्तान इन्हें आक्रांता और आततायी के रूप में ही देखता है, न कि किसी महान सांस्कृतिक विरासत के प्रतिनिधि के तौर पर।

‘अफगानों का उत्पीड़न कर रहा पाकिस्तान’

करजई ने इस बात पर नाराजगी जताई कि पाकिस्तान इन नामों का इस्तेमाल तो करता है, लेकिन वहां रहने वाले अफगानों के साथ उसका व्यवहार अपमानजनक और उत्पीड़न भरा है। उन्होंने ट्विटर पर कहा, 'पाकिस्तान को अपने वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संस्थानों का नाम महान अफगान हस्तियों के नाम पर रखना चाहिए, न कि उन हमलावरों के नाम पर जिन्होंने क्षेत्र में खून-खराबा फैलाया। अफगान पाकिस्तान से एक सभ्य और सम्मानजनक संबंध चाहता है, न कि ऐसे प्रतीकों के सहारे रिश्तों को बिगाड़ने की कोशिश।' इस बयान के बाद पर प्रतिक्रियाओं का तांता लग गया। कई यूजर्स ने करजई की बात का समर्थन किया। एक यूजर ने कहा, 'बिल्कुल, अफगानिस्तान के गौरव और सम्मान का इस्तेमाल करने वाले को इसके लोगों का सम्मान और आदर भी करना चाहिए।' दूसरे ने कहा, 'पाकिस्तान अपने नीच और मानवता विरोधी कृत्यों को पाक अफगान हस्तियों से जोड़ता है और इस तरह अफगान नायकों को बदनाम और नकारात्मक रूप से पेश करना चाहता है।' करजई ने सीधे-सीधे पाकिस्तान की सरकार, वहां की सेना और क़क़ (खुफिया एजेंसी) पर सवाल उठा दिया। करजई के बयान ने और पाकिस्तान के बीच तनाव को भी उजागर कर दिया।

युवाओं के लिए अपना स्वरोजगार स्थापित करना हुआ और मी आसान

उत्तर प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान योजना के तहत दे रही है 5 लाख रुपए का ऋण

गौतम बुद्ध नगर, 06 मई 2025: उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 21 से 40 वर्ष तक के युवक-युवतियों को स्वरोजगार स्थापित करने हेतु मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान योजना संचालित की जा रही है, जिसके तहत युवाओं को 5 लाख रुपए तक का लोन बिना किसी गारंटी एवं बिना ब्याज के दिया जा रहा है। उपायुक्त उद्योग अमिल कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के तहत कल दिनांक 07 मई 2025 को सुबह 11:00 से केनरा बैंक चिटहैरा गांव में अधिक से अधिक युवाओं को योजना में आवेदन करने हेतु शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इच्छुक पात्र व्यक्ति आधार कार्ड, पैन कार्ड, शैक्षिक योग्यता, जाति प्रमाण पत्र, बैंक की पासबुक तथा पासपोर्ट साइज फोटो के साथ आयोजित होने वाले शिविर में उपस्थित होकर योजना में अपना आवेदन करा सकते हैं।

चौधरी अजीत सिंह की चौथी पुण्य स्मृति पर शोक सभा का हुआ आयोजन।

कानपुर विशेष संवाददाता। राष्ट्रीय लोकदल कानपुर देहात के जिला अध्यक्ष राजकुमार तिवारी ने अपने स्वास्थ्य ठीक ना होने के कारण



किसान नेता चौधरी अजीत सिंह की चौथी पुण्य स्मृति पर शोक सभा का आयोजन अपने निज निवास पर श्रद्धा सुमन अर्पित करके भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि चौधरी अजीत सिंह अपना संपूर्ण जीवन किसानों के हितों में समर्पित करते हुए जिया वह चार बार केंद्र सरकार में मंत्री रहे तथा बेदाग जीवन जिया आज वह हमारे बीच नहीं है परंतु उनके द्वारा बनाई गई नीतियां हमारा मार्ग प्रशस्त कर रही है और हमें आगे बढ़ा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में यदि कोई योग्य नेता की जरूरत पड़ती थी तो सबसे पहले चौधरी अजीत सिंह का ही नाम आता था। उनकी सरलता सौम्यता एवं बेदाग छवि हमेशा हमें प्रेरित करती है, पार्टी हमेशा उनकी पुण्य स्मृति को प्रेरणा दिवस के रूप में मनाती है। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला प्रमुख महासचिव अरुण कुमार अवस्थी (एडवोकेट), शिवाकांत तिवारी, संतोष यादव, विक्रान्त पाठक, संदीप शुक्ला, रामनिवास यादव, आनंद सिंह राजावत, रिकू सिंह भदौरिया आदि लोग उपस्थित रहे।



नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि 'भारत का पानी भारत में ही बहेगा, भारत में ही काम आएगा'। एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम में पीएम मोदी ने पाकिस्तान का नाम लिए बिना भारत के सिंधु जल समझौते उंडे बस्ते में डालने का जिक्र किया। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, 'आजकल मीडिया में पानी की बड़ी चर्चा है...' इसपर वहां तालियां बजने लगीं तो पीएम ने कहा- सब समझ गए! इसके बाद मोदी ने खुले मंच से ऐलान किया, 'पहले भारत के हक का पानी भी बाहर जा रहा था। अब भारत का पानी भारत के हक में बहेगा। भारत के हक में रुकेगा और भारत के ही काम आएगा।'

‘डेमोक्रेसी कैन डिलीवर’, भारत को देख बोल रही दुनिया

पीएम ने कहा, 'पहले दस करोड़ ऐसे फर्जी लाभार्थी थे जिनका कभी जन्म नहीं हुआ और उन्हें पुरे ठाट से सारी सुविधाएं मिल रही थीं। हमारी सरकार ने इन दस करोड़ फर्जी नामों को सिस्टम से हटाया। साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये से ज्यादा पैसा गलत हाथों में जाने से बचाया।' पीएम मोदी ने कहा, 'मुझे ये बताते हुए खुशी है कि इंडिया-UK फ्री ट्रेड एग्रीमेंट अब फाइनल हो चुका है। विश्व की दो बड़ी और ओपन मार्केट इकोनॉमी के बीच ये समझौता दोनों देशों के विकास में एक नया अध्याय जोड़ेगा। इससे भारत में आर्थिक



गतिविधियों में तेजी आएगी। भारतीय व्यवसायों और MSMEs के लिए नए अवसरों के रास्ते खुलेंगे।' मोदी ने कहा, 'हमारी सरकार ऐसी परिस्थिति में बनी थी जब सरकारों पर देशवासियों का विश्वास

लगभग टूट चुका था। लोग सवाल उठाने लगे थे क्या लोकतंत्र और विकास साथ चल सकते हैं? आज जब कोई भारत को देखता है तो गर्व से कह सकता है Democracy Can Deliver' पीएम मोदी ने कहा, 'हम GDP

बिहार के पांच शहरों में होगी युद्ध की मॉक ड्रिल

समाज जागरण संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ भारत सरकार देश की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार सतर्कता बरत रही है। इसी कड़ी में 7 मई 2025 को देशभर के चिन्हित सिविल डिफेंस जिलों में एक व्यापक मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। इस अभ्यास को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 2 मई को एडवाइजरी जारी कर दी है। यह मॉक ड्रिल सिविल डिफेंस रूल्स, 1968 के तहत किया जाएगा, जिसका मकसद युद्ध जैसे हालात में नागरिकों और आपात सेवाओं की तत्परता को परखना है। इस अभ्यास में बिहार के पांच प्रमुख शहरों को शामिल किया गया है, जिनमें पटना, बरौनी, कटिहार, पूर्णिया और बेगूसराय शामिल हैं। इनमें से बेगूसराय को श्रेणी 3 में रखा गया है जबकि शेष चार शहर श्रेणी 2 में शामिल किए गए हैं। श्रेणियों के अनुसार, शहरों में मॉक ड्रिल की तीव्रता और व्यापकता निर्धारित की जाएगी। इन शहरों में युद्ध जैसी परिस्थितियों का सजीव प्रदर्शन किया जाएगा ताकि लोगों में जागरूकता और प्रतिक्रिया क्षमता विकसित हो सके। 7 मई को होने वाले इस मॉक ड्रिल में वास्तविक युद्ध जैसे हालात उत्पन्न किए जाएंगे। इसमें हवाई हमले के सायरन बजाए जाएंगे, शहरों की बिजली कुछ समय के लिए काट दी जाएगी और नागरिकों को नजदीकी शरण स्थलों की ओर ले जाया जाएगा। इस दौरान आम लोगों को गिरकर छिपने की तकनीक, प्राथमिक उपचार और मानसिक स्थिति को संभालने की जानकारी भी दी जाएगी। इसके अलावा सामरिक महत्व



की इमारतों को ढकने और सैटेलाइट से छुपाने जैसी गतिविधियाँ भी अभ्यास का हिस्सा होंगी। इस राष्ट्रीय मॉक ड्रिल में सिविल डिफेंस वार्डन, होम गार्ड्स, एनसीसी (नेशनल कैडेट कोर), एनएसएस (नेशनल सर्विस स्कीम), नेहरू युवा केंद्र संगठन और स्कूल-कॉलेजों के छात्र शामिल होंगे। आपातकालीन सेवाओं की तत्परता को जांचने के लिए उन्हें सक्रिय रखा जाएगा। साथ ही, स्थानीय प्रशासन की भूमिका भी इस ड्रिल में बेहद अहम होगी। ड्रिल के दौरान यह देखा जाएगा कि आपात स्थिति में प्रशासन कितनी जल्दी और प्रभावी तरीके से प्रतिक्रिया देता है। इस अभियान का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि लोगों को आत्मरक्षा और त्वरित प्रतिक्रिया के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके लिए स्कूलों, कार्यालयों और समुदाय केंद्रों में विशेष वर्कशॉप्स आयोजित की जाएंगी। इन वर्कशॉप्स में नागरिकों को यह

सिखाया जाएगा कि हवाई हमले के दौरान कैसे सतर्क रहें, कहाँ छिपें, और घायलों की मदद कैसे करें। इस मॉक ड्रिल में एक विशेष अभ्यास होगा, जिसमें रात के समय बिजली बंद कर दी जाएगी। यह तकनीक आखिरी बार 1971 के बांग्लादेश मुक्ति युद्ध के दौरान इस्तेमाल की गई थी, ताकि हवाई हमले से शहरों को सुरक्षित रखा जा सके। इसके अलावा, सामरिक इमारतों जैसे मिलिट्री बेस, संचार टावर और पावर प्लांट को ढकने की प्रक्रिया भी अपनाई जाएगी। गृह मंत्रालय द्वारा निर्देशित यह मॉक ड्रिल न केवल नागरिक सुरक्षा प्रणाली की तैयारियों को परखेगा, बल्कि आम लोगों में जागरूकता और आत्मनिर्भरता की भावना को भी मजबूत करेगा। बिहार के शहरों में इस अभ्यास को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं और प्रशासन ने लोगों से सहयोग की अपील की है ताकि अभ्यास सफल और प्रभावी हो सके।

अन्य राज्यों के फरियादियों को भी योगी पर यकीन नज़ीर बना सीएम योगी का 'जनता दर्शन', पहुंचे अन्य राज्यों के भी फरियादी

समाज जागरण

लखनऊ, 6 मई: हैलो, मैं माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के कार्यालय से बोल रहा हूँ। आपके प्रदेश के एक नागरिक अपनी समस्या लेकर यहां आए हैं। यह आपसे मिलेंगे। कृपया इनकी समस्या का समाधान कराने का कष्ट करें। उत्तर प्रदेश के बाहर के राज्यों के अधिकारियों के पास प्रायः ऐसे फोन यहां से किए जाते हैं, क्योंकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'जनता दर्शन' में न सिर्फ उत्तर प्रदेश, बल्कि अन्य राज्यों के पीड़ित भी निरंतर पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 'जनता दर्शन' में हर पीड़ित के पास स्वयं पहुंचते हैं। उनकी समस्या सुनते हैं और निराकरण के लिए संबंधित राज्य से संपर्क स्थापित करने का आदेश अपने कार्यालय को देते हैं।



अक्टूबर 2024 से अप्रैल 2025 के बीच यूपी के बाहर के 65 फरियादी 'जनता दर्शन' व प्रवास के दौरान योगी आदित्यनाथ से मिले। इन सभी की शिकायत उनके गृहराज्य के आलाधिकारियों तक पहुंचाई गई। ऐसी कार्यवाई की बदौलत ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का 'जनता दर्शन' नज़ीर बन गया है। अन्य राज्यों के नागरिक भी मानते

हैं योगी हैं तो यकीन है। समाधान पाकर खिले चेहरे सीएम योगी का धन्यवाद करने भी आते हैं। सात महीने में आए 65 फरियादी सर्वविधित है कि उत्तर प्रदेश के पीड़ितों की समस्याओं को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समय-समय पर जनता दर्शन करते हैं। वे पीड़ितों की समस्या को सुनते हैं और निराकरण कराते हैं। प्रार्थना पत्रों

पर सीएम योगी की कार्यवाई नज़ीर बनती है। योगी आदित्यनाथ लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर समय-समय पर स्वयं जनता दर्शन करते हैं। साथ ही गोरखपुर प्रवास के दौरान प्रतिदिन जनता से मुखातिब होते हैं। उनकी दिनचर्या ही जनता से मिलने से प्रारंभ होती है। पिछले साढ़े छह महीने में बिहार, तेलंगाना, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, ओडिशा, असम समेत कई राज्यों के 65 फरियादी जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुखातिब हुए। मुख्यमंत्री ने इनकी समस्याएं सुनीं और समाधान के लिए संबंधित राज्यों तक इसे प्रेषित कराया। उत्तराखंड दौरे पर भी सीएम योगी के पास आए कई प्रार्थना

पत्र

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ फरवरी के प्रथम सप्ताह में उत्तराखंड दौरे पर गए थे। वहां पौड़ी गढ़वाल के विस्थापी गांव के पूर्व सैनिक महेंद्र सिंह नेगी ने सीएम को प्रार्थना पत्र सौंपा। ठांगर ग्राम पंचायत में एएनएम सेंटर के उच्चीकरण संबंधी पत्र भी सीएम को सौंपा गया। उत्तराखंड की ही रुचि ने चिकित्सा संबंधी आर्थिक सहायता की गुहार लगाते हुए सीएम योगी को पत्र सौंपा। यमकेश्वर विकास खंड के एक मंदिर समिति के अध्यक्ष रूपचंद्र लखेड़ा ने सीएम योगी को सड़क निर्माण कराने के लिए प्रार्थना पत्र सौंपा। सीएम ने सभी प्रार्थना पत्रों का संज्ञान लेते हुए उत्तराखंड प्रशासन को पत्र प्रेषित कर पीड़ितों को न्याय दिलाने का आग्रह किया।

फीस माफी, चिकित्सा, पुलिस, पढ़ाई में मदद, मंदिर निर्माण, पैतृक विवाद संबंधी कई फरियाद पढ़ूँगी सीएम के पास सीएम योगी के पास फीस माफी, चिकित्सा, पुलिस, पढ़ाई में मदद, मंदिर निर्माण, पैतृक विवाद संबंधी कई फरियाद पढ़ूँगी। मध्य प्रदेश के सीधी के राजगढ़ कोठार की प्रीतु साहू ने गंभीर बीमारी के इलाज के लिए गुहार लगाई। बिहार के पश्चिमी चंपारण के माधोपुर प्रखंड की प्रियम प्रीति ने राहत कोष से सहायता राशि दिलाने का अनुरोध किया। इसके अलावा ओडिशा, बिहार से मंदिर जीर्णोद्धार, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा आदि राज्यों से भी आए लोगों की शिकायतों को सीएम योगी ने सुना। छात्रा निष्ठ साहनी ने राजस्थान में फीस माफी के लिए भी गुहार लगाई।



माकटेल से माकड़िल तक की नौबत

आज की पीढी के लिए 'माकटेल' तो जाना पहचाना शब्द है किन्तु माकड़िल और नौबत के बारे में शायद ही उसे पता हो. हम उस पीढी के लोग हैं जिन्होने माकड़िल भी देखी है. हमने नौबत बजते भी देखी है और नौबत को आते जाते भी देखा है. 7मयी को माकड़िल की नौबत पूरे 54 साल बाद आई है. माकड़िल का मतलब होता है छद्म अभ्यास. युद्ध के समय हवाई हमलों की पूर्व सूचना देने के लिए तेज आवाज में सायरन बजाकर जनता से सुरक्षित स्थानों में छिपने, ब्लैक आउट करने का अभ्यास कराया जाता है. पुराने जमाने में जब कल कारखाने बहुत थे तब हर शहर में कर्मचारियों को उनकी पाली शिफ्ट)की सूचना देने के लिए सायरन बजाए जाते थे. श्रमिक क्षेत्रों के अलावा मुख्य शहर के केंद्र में ऐसे सायरन बजाए जाते

थे. युद्ध के सय भी इनका इस्तेमाल खरों की सूचना देने के लिए किया जाता था. हमने युद्ध के समय आखरी बार सायरन54साल पहले 1974में सुना था, लेकिन हमारे शहर में श्रमिकों के लिए सायरन 1992तक बजता रहा. ग्वालियर के हृदय स्थल महाराज बाड़ा पर वर्षों तक 10.30 बजे सायरन बजता था. इस सायरन का इस्तेमाल 30जनवरी को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर 11बजे दो मिनिट का मौन धारण करने के लिए बजाया जाता था. अब अगर 7 मई 2025 को आपके शहर में अचानक कोई तेज और डरावनी सायरन की आवाज सुनाई दे तो घबराएं नहीं, यह कोई आपात स्थिति नहीं, बल्कि एक मॉक ड्रिल यानी युद्ध जैसी स्थिति की तैयारी का अभ्यास है. इस दौरान एक जंग वाला सायरन बजेगा, ताकि लोगों को



बताया जा सके कि युद्ध या हवाई हमले जैसी स्थिति में क्या करना होता है? जैसा कि मैंने पहले ही बताया कि 1971 की जंग के बाद यह पहली बार है कि भारत सरकार ने ऐसा मॉक ड्रिल करने का आदेश दिया है.22अप्रैल को पहलगाम में 26लोगों की नृशंस हत्या के बाद एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध

शहर के भीड़भाड़ वाले इलाकों में ऊंचाई पर लगाए जाते हैं. इनका मकसद कि सायरन की आवाज ज्यादा से ज्यादा दूर तक पहुंचाना है

जंग वाला सायरन दरअसल एक तेज आवाज वाला वॉनिंग सिस्टम होता है. यह युद्ध, एयर स्ट्राइक या आपदा जैसी आपात स्थिति की सूचना देता है. इसकी आवाज में एक लगातार ऊंचा-नीचा होता हुआ कंपन होता है, जिससे यह आम हॉर्न या एंबुलेंस की आवाज से बिल्कुल अलग पहचाना जा सके.

देश में 1971के बाद पैदा हुई पीढी के लिए माकड़िल और सायरन की आवाज एक अनूठा अनुभव होगा. ऐसे अनुभव यूक्रेन, फिलिस्तीन, रूस और इजराइल के लोगों को बहुत हैंक्योंकि ये देश युद्धरत देश हैं किंतु शांतिप्रिय देशों की जनता के लिए ये अनुभव भयावह और चौंकाने वाले

भी हो सकते हैं.

भारत ने 2019 में पुलवामा के बाद जम्मू-कश्मीर में हुए सबसे भीषण हमले को लेकर भारत किसी को बख्शाने वाला नहीं है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह से मुलाकात की. अटकलें लगाई जा रही हैं कि नई दिल्लीअब पाकिस्तान को पहलगाम हत्याकांड का जबाब देने की तैयारी कर चुकी है इसीलिए नौबत माकड़िल तक आई है. अब आप नौबत के बारे में जान ही लीजिये. नौबत का एक अर्थ पारी, समय, बेला होता है तो एक अर्थ मंगल ध्वनि भी होता है. एक जमाने में राजा महाराजाओं के आवास महल, किले की इयोदी यानि दरवाजे के बाहर सुबह सुब ढोल, नगाडे और शहनाई बजती थी, इसे भी नौबत बजाना कहा जाता था.

@राकेश अचल

संजय एम तराणेकर

इटना मत जब 7 मई को बजे युद्ध वाला सायरन

7 मई को तेज सायरन सुनें तो घबराएं नहीं, यह मॉक ड्रिल है.

7 मई को मॉक ड्रिल के तहत युद्ध का सायरन बज सकता है. यह सायरन प्रशासनिक भवनों, पुलिस मुख्यालय, फायर स्टेशन पर लगाए जाते हैं. सायरन की आवाज 2-5 किलोमीटर तक सुनाई दे सकती है.

अगर 7 मई को अचानक कोई तेज और डरावनी सायरन की आवाज सुनें तो घबराएं नहीं. यह कोई आपात स्थिति नहीं, बल्कि एक मॉक ड्रिल यानी युद्ध जैसी स्थिति की तैयारी का अभ्यास है. इस दौरान एक ह्दजंग वाला सायरनऴ् बजेगा, ताकि लोगों को बताया जा सके कि युद्ध या हवाई हमले जैसी स्थिति में क्या करना होता है?

1971 की जंग के बाद यह पहली बार है कि भारत सरकार ने ऐसा मॉक ड्रिल करने का आदेश दिया है.

ऐसे में आपके लिए यह जानना जरूरी है कि ये सायरन आखिर होता क्या है? कहां लगाए जाते हैं? इनकी आवाज कैसी होती है? कितनी दूरी तक सुनाई देती है? और जब ये बजता है तो लोगों को क्या करना चाहिए?

यहां आपको इन सभी सवालों के जवाब मिल जाएंगे.

जंग वाला सायरन कहां लगाया जाता है?

ये सायरन आमतौर पर प्रशासनिक भवनों, पुलिस मुख्यालय, फायर स्टेशन, सैन्य ठिकानों और शहर के भीड़भाड़ वाले इलाकों में ऊंचाई पर लगाए जाते हैं. इनका मकसद कि सायरन की आवाज ज्यादा से ज्यादा दूर तक पहुंचाना होता है. दिल्ली-नोएडा जैसे बड़े शहरों में इन्हें खासतौर पर संवेदनशील इलाकों में लगाया जा सकता है. देश के हर शहर में इसे लगाया जा सकता है.

युद्ध वाला सायरन होता कैसा है?

ह्दजंग वाला सायरनऴ् दरअसल एक तेज आवाज वाला वॉनिंग सिस्टम होता है. यह युद्ध, एयर स्ट्राइक या आपदा जैसी आपात स्थिति की सूचना देता है. इसकी आवाज में एक लगातार ऊंचा-नीचा होता हुआ कंपन होता है, जिससे यह आम हॉर्न या एंबुलेंस की आवाज से बिल्कुल अलग पहचाना जा सके ।

इसकी आवाज कैसी होती है, और कितनी दूर तक जाती है?

जंग वाले सायरन की आवाज बेहद तेज होती है. आमतौर पर यह 2-5 किलोमीटर की रेंज तक सुनाई दे सकती है. आवाज में एक साइक्लीक पैटर्न होता है. यानी यह धीरे-धीरे तेज होती है, फिर घटती है और ये क्रम कुछ मिनटों तक चलता है. एंबुलेंस का सायरन जहां 110-120 डेसिबल की आवाज करता है, वहीं जंग वाला सायरन 120-140 डेसिबल की आवाज करता है.

भारत में पहले कब बजा था जंग वाला सायरन?

भारत में जंग वाले सायरन का उपयोग 1962 के चीन युद्ध, 1965 और 1971 के भारत-पाकिस्तान जंग के दौरान किया गया था. उस समय ये सायरन विशेष रूप से दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और अमृतसर जैसे शहरों में लगाए गए थे. इसके अलावा कारगिल युद्ध के दौरान बॉर्डर से लगे इलाकों में इनका उपयोग किया गया था.

जब सायरन बजे तो क्या करें?

सायरन बजने का मतलब है कि लोग तुरंत सुरक्षित स्थानों की ओर रुकना हों. लेकिन मॉक ड्रिल के दौरान आप पैनिक न हों. सिर्फ खुले इलाकों से हट जाएं, घरों या सुरक्षित इमारतों के अंदर जाएं, टीवी, रेडियो और सरकारी अलर्ट्स पर ध्यान दें. अफवाहों से बचें और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें.

कितनी देर में जगह खाली करनी होती है

असली युद्ध जैसे हालात में पहले सायरन से लेकर 5 से 10 मिनट के अंदर स-ुरक्षित स्थान तक पहुंचना होता है. यही कारण है कि मॉक ड्रिल की मदद से लोगों को सिखाया जाता है कि कैसे जल्दी और शांतिपूर्वक बाहर निकलें।



रंजीत तिवारी

भारत एक विशाल लोकतांत्रिक देश होने के साथ-साथ शांति सौहार्द और गुटनिरपेक्षता का पक्षधर रहा है पर वर्तमान में जब पाक समर्थित आतंकियों द्वारा पहलगाम में 27 निर्दोष भारतीयों की निर्मम हत्या कर दी गई है,भारत का यह देशवासियों के प्रति बनता है कि देशवासियों की रक्षा करे और उन आतंवादियों और उनको पनाह देने वाले व्यक्ति और देश को समूल नष्ट करे। भारत यदि पाकिस्तान पर हमला कर युध्य करता है तो यह भारत की तरफ से आक्रमण नहीं आत्म-सुरक्षात्मक आवश्यक कदम होगा,फिर यदि उसने आतंकवादी भरे या कोई देश नेस्तनाबूद हो भारत को बिल्कुल भी फिक्र करने की जरा भी जरूरत नही है। भारत संप्रभुता एकता तथा अखंडता का वैश्विक स्वच्छ एवं साफ-सुथरी छवि वाला एकमात्र बड़ा लोकतांत्रिक देश है। अमेरिका में भी लोकतंत्र है पर वहां पूंजीवादी व्यवस्था तथा व्यापक व्यवसायीकरण ने अनेक राष्ट्रों को विस्तार वादी तथा साम्राज्यवादी मानसिकता का बना दिया है। अमेरिका की शक्ति संपन्नता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसे एक असंवेदनहीन,लोकतांत्रिक एवं निरंकुश राष्ट्र के रूप में स्थापित कर चुकी है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में अमेरिका और विभिन्न काल खंडों में अलग-अलग देशों को एक दूसरे से युद्ध करने के उकसाने के लिए बदनाम रहा है, और उसकी इस इस कूटनीति का सबसे बड़े एवं तात्कालिक उदाहरण अफगानिस्तान में तालिबान आतंकवादियों का कब्जा एवं और रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन अमेरिकी तथा अमे-



में 15.3 अरब डॉलर का व्यापार अधिशेष हासिल था।

जिस तरह अमेरिका ने अपने प्रमुख कारोबारी स-झेदारों के साथ वस्तु व्यापार की जंग शुरू की है, यह कदम भी जवाबी प्रतिबंधों की वजह बन सकता है और इस तरह हॉलीवुड को नुकसान पहुंचा सकता है। इस उद्योग को अपना अधिकांश बॉक्स ऑफिस राजस्व विदेश से मिलता है। वर्ष 2024 में 30 अरब डॉलर मूल्य की वैश्विक टिकट बिक्री का 70 फीसदी हिस्सा अमेरिका और कनाडा के बाहर से आया। ऐसा करके ट्रंप अमेरिका की सॉफ्ट

पॉवर को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। ट्रंप की अन्य ब्लॉकबस्टर घोषणाओं की तरह इस बार भी जवाबों से ज्यादा सवाल सामने हैं। क्या यह नियम उन फिल्मों पर भी लागू होगा जिन्हें अमेरिकी फिल्म कंपनियों ने अमेरिका के बाहर दूसरे देशों में शूट किया है?

क्या यह नेटफ्लिक्स जैसी स्ट्रीमिंग सेवाओं पर भी लागू होगा जिसके शेयर सोमवार को अन्य फिल्म प्रोडक्शन हाउस के शेयरों की तरह ही टूट गए? इस मामले में दरों का आकलन किस प्रकार किया जाएगा? वैसे तो प्रशासन में किसी के पास इन बातों

का कोई जवाब नहीं नजर आ रहा है लेकिन यह ट्रंप की पारंपरिक शैली के अनुरूप ही है जिसमें उन्होंने कहा कि वह उद्योग जगत के अधिकारियों से मिलकर देखेंगे कि उनको यह विचार पसंद आया या नहीं?

मेक हॉलीवुड ग्रेट अगेन की भावना ट्रंप की उन्हीं चिंताओं से उत्पन्न हुई है जो उन्होंने विनिर्माण को लेकर प्रकट की है: यानी उत्पादन संबंधित सेवाओं की नौकरियां जो विदेश में जा चुकी हैं। तथ्य यह है कि अमेरिकी फिल्मकार करीब एक दशक से अमेरिका से बाहर जा रहे हैं क्योंकि कैलिफोर्निया में फिल्म बनाना बहुत महंगा हो गया है। यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और कनाडा किफायती फिल्म निर्माण केंद्र के रूप में उभरे हैं। अमेरिकी फिल्म उद्योग लंबे समय से यह मांग कर रहा है कि लागत कम करने के लिए फेडरल कर प्रोत्साहन दिए जाएं क्योंकि प्रतिस्पर्धी देशों में यह सुविधा उपलब्ध है।

इन बाधाओं के बावजूद अमेरिका फिल्म और टीवी के क्षेत्र में दुनिया का अग्रणी देश बना हुआ है। भारतीय और चीनी उद्योग बड़े हो सकते हैं लेकिन उनके दर्शक मुख्य रूप से स्थानीय ही हैं। भारतीय फिल्मों के बॉक्स ऑफिस संग्रह में अमेरिका से होने वाली आय केवल 5-7 फीसदी ही है, जबकि अमेरिका में शीर्ष 10 कमाई वाली सभी फिल्में अमेरिकी हैं। दुनिया की 100 शीर्ष रेटिंग वाली फिल्मों में से करीब 90 हॉलीवुड की हैं। दूसरे शब्दों में हॉलीवुड पहले ही बहुत बड़ा है, उसे महान बनने के लिए किसी टैरिफ संरक्षण की आवश्यकता नहीं है।

आतंकवाद पर बड़ा प्रहार। पाकिस्तान के साथ-साथ आंतरिक सुरक्षा भी महत्वपूर्ण।

भारत एक विशाल लोकतांत्रिक देश होने के साथ-साथ शांति सौहार्द और गुटनिरपेक्षता का पक्षधर रहा है पर वर्तमान में जब पाक समर्थित आतंकियों द्वारा पहलगाम में 27 निर्दोष भारतीयों की निर्मम हत्या कर दी गई है,भारत का यह देशवासियों के प्रति बनता है कि देशवासियों की रक्षा करे और उन आतंवादियों और उनको पनाह देने वाले व्यक्ति और देश को समूल नष्ट करे। भारत यदि पाकिस्तान पर हमला कर युध्य करता है तो यह भारत की तरफ से आक्रमण नहीं आत्म-सुरक्षात्मक आवश्यक कदम होगा,फिर यदि उसने आतंकवादी भरे या कोई देश नेस्तनाबूद हो भारत को बिल्कुल भी फिक्र करने की जरा भी जरूरत नही है। भारत संप्रभुता एकता तथा अखंडता का वैश्विक स्वच्छ एवं साफ-सुथरी छवि वाला एकमात्र बड़ा लोकतांत्रिक देश है। अमेरिका में भी लोकतंत्र है पर वहां पूंजीवादी व्यवस्था तथा व्यापक व्यवसायीकरण ने अनेक राष्ट्रों को विस्तार वादी तथा साम्राज्यवादी मानसिकता का बना दिया है। अमेरिका की शक्ति संपन्नता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसे एक असंवेदनहीन,लोकतांत्रिक एवं निरंकुश राष्ट्र के रूप में स्थापित कर चुकी है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में अमेरिका और विभिन्न काल खंडों में अलग-अलग देशों को एक दूसरे से युद्ध करने के उकसाने के लिए बदनाम रहा है, और उसकी इस इस कूटनीति का सबसे बड़े एवं तात्कालिक उदाहरण अफगानिस्तान में तालिबान आतंकवादियों का कब्जा एवं और रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन अमेरिकी तथा अमे-

रकी समर्थित नैटो एवं यूरोपीय देशों की भूमिका ही रही है। इसी तरह इसराइल हमास युद्ध में इसराइल को खुला समर्थन देकर अमेरिका ने विस्तारवाद तथा साम्राज्यवाद की आग को हवा देने का काम किया है और लगभग चारों देशो के लाखों लोगों की जान को जिंदगी से वंचित कर दिया है। भारत एक विशाल लोकतांत्रिक देश होने के साथ-साथ शांति सौहार्द और गुटनिरपेक्षता का पक्षधर रहा है। भारत देश में सदैव वैश्विक शांति का संदेश ही दिया है, यह अलग बात है कि भारत में धार्मिक सामाजिक आर्थिक विविधता विषमता के कारण अंदरूनी विवादों तथा आतंकवादी गतिविधियों के कारण अशांत रहने पर मजबूर किया है। भारत की आंतरिक सुरक्षा भी पिछले 20 वर्षों से अलग-अलग शहरों यहां तक संसद भवन के हमलों और कश्मीर में विभिन्न समय तथा स्थानों पर आतंकवादी हमलों ने भारत की आंतरिक व्यवस्था में उथल-पुथल मचाने का प्रयास किया है, भारत की शक्ति और सामर्थ्य इतनी सक्षम है कि आतंकवादियों के हमलों का भारत सरकार ने समय-समय पर मुंहतोड़ जवाब भी दिया है। पठानकोट और पुलवामा हमले इसके सबसे सशक्त और सक्षम मामले हैं जहां भारत ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट किया है। जम्मू कश्मीर में भी छुटपुट घटनाओं के अलावा स्वतंत्रता के बाद से शांति का माहौल स्थापित हुआ है। जहां तक भारत की सीमा के विवाद का प्रश्न है तो भारत भौगोलिक रूप से एशिया के दक्षिणी भाग में स्थित है और भारत की सीमाएं 7 जिनमें

चीन, नेपाल, म्यानमार ,भूटान, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान देश शामिल हैं। भारत सदैव अपने पड़ोसियों से शांति के संबंध स्थापित रखना चाहता है। भारत की विदेश नीति गुटनिरपेक्ष एवं शांति, सद्भावना की रही है। भारत के साथ पड़ोसी देशों में भूटान,बांग्लादेश श्रीलंका ,मालदीव ,सदैव भारत के साथ मित्रवत रहे हैं किंतु चीन तथा पाकिस्तान ने हमेशा भारत के हितों का नुकसान की चाहा है भूटान, बांग्लादेश, और बांग्लादेश ने भारत से अपने संबंध अपने हितों से जोड़कर कई संधियों में हस्ताक्षर किए ,जिसके कारण दोनों देशों ने मिलकर कई पावर प्लांट, पावर ट्रांसमिशन लाइन,1 बंदरगाह की विकास रेल लाइन निर्माण आदि में एक दूसरे का साथ दिया है पर आज बांग्लादेश भारत का बड़ा दुश्मन बन चुका है, मालदीव एक ऐसा देश है जिसका दक्षिण तथा अरब सागर में सामरिक महत्व है, इसलिए भारत के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। चीन पाकिस्तान के अलावा नेपाल से भी भारत के संबंध बहुत मधुर कभी नहीं रहे हैं नेपाल में चीन तथा पाकिस्तान के हस्तक्षेप के कारण नेपाल भारत की आलोचना करता आया है। पाकिस्तान का इस्लामिक कट्टरपंथ एवं वहां की सेना तथा पाकिस्तानी शासन के हुक्मरान भारत को अपना दुश्मन नंबर एक मानते हैं। भारत का नेपाल के साथ सीमा विवाद है जिसके चलते नेपाल का नजरिया भारत के प्रति बदलता गया है। भारत और चीन के संबंध 1962 के बाद से सभी सामान्य नहीं रहे हैं। लाइन आफ एक्जुअल कंट्रोल में चीन ने अरुणाचल प्रदेश

तथा लद्दाख में सदैव अतिक्रमण किया है और भारत का चीन से डोकलाम, पोंपेंगंग, गलवान क्षेत्रों में सैनिक स्तर का विवाद होता रहा है और एलएसी पर चीन और भारत में बड़ी संख्या में सैनिकों को तैनात किया है। इसी बात में अमेरिका भारत के साथ है किंतु रूस इस मामले में निरपेक्ष नीति अपनाए हुए हैं। यह अलग बात है कि अमेरिका भारत का स्वतंत्रता के बाद से तभी सहयोगी मित्र नहीं रहा है और रूस ने परंपरागत रूप से अपनी मित्रता भारत के साथ अलग-अलग घटनाओं तथा युद्धों में साबित की है। यह तो तय है कि भारत में आतंकी गतिविधियां आंतरिक सुरक्षा के लिए हमेशा खतरा बनी हुई थी और है। इसके अलावा एल ए सी तथा एलओसी में चीन तथा पाकिस्तान जैसे देशों से हमें मुकाबला करना होगा। पाकिस्तान दिवालिया होने की कगार पर है पर चीन की मदद तथा उकसावे के कारण पाकिस्तान भारत को एक बड़ा दुश्मन मानती है। वैसे तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत सरकार की सभी देशों से अच्छी मित्रता है एवं भारत को शांति का पक्षधर माना जाता है किंतु रूस यूक्रेन युद्ध में यह बात एकदम स्पष्ट उभर कर आई है कि किसी भी युद्ध में देश को अपनी सुरक्षा खुद की शक्ति एवं सामर्थ्य से करनी होगी। अमेरिका जैसे देश बाहर से तमाशा देखने वाले देशों में माने जाते हैं। अतः भारत को अपनी आंतरिक तथा सीमा की सुरक्षा स्वयं के शक्ति तथा सामर्थ से ही करनी होगी एवं हमेशा सतर्कता बरतनी होगी।

संजीव ठाकुर



सदर विधायक ने लाभार्थियों को वितरित की निःशुल्क दोना - पतल मेकिंग मशीन



का वितरण सदर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम में दोना-पतल मेकिंग मशीन से सम्बन्धित लाभार्थियों को मशीन के रखरखाव व चलाने हेतु दिशा निर्देश प्रदान किये गये। इस अवसर पर जिला ग्रामोद्योग अधिकारी प्रदीप कुमार, जिला ग्रामोद्योग कार्यालय का समस्त स्टाॅफ मौजूद रहा।

एआर फिलिंग सेंटर पर नए विक्रय अधिकारी अक्षत सहाय का हुआ भव्य स्वागत

आई एम खान/दैनिक समाज जागरण ब्यूरो

बिसौली बदायूँ। नगर के ए.आर. फिलिंग सेंटर पर इंडियन ऑयल बदायूँ एरिया के नए विक्रय अधिकारी अक्षत सहाय का भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने पंप की सेल संबंधित जानकारी ली और ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं



देने के निर्देश दिए। श्री सहाय ने पंप की साफ - सफाई की भूरि भूरि प्रशंसा की। इस दौरान ए.आर. फीलिंग सेंटर पर प्रथम बार आगमन पर फिलिंग सेंटर के डीलर रवि प्रकाश अग्रवाल द्वारा माल्यार्पण कर अभिनंदन/स्वागत किया गया। इस अवसर पर रवि प्रकाश अग्रवाल, रोहित कुमार, पम्प मैनेजर अक्षय सिंह, धर्मपाल पाठक, कस्टमर अटेंडेंट, सचिन, सुखबीर, प्रेमवीर, नन्हें, किशोर सहित ग्राहक मौजूद रहे।

राजघाट पर झगड़ा करना पड़ा भारी बलवा में पाँच के खिलाफ केस दर्ज

दैनिक समाज जागरण

गुन्नौर कोतवाली क्षेत्र के राजघाट गंगाघाट पर मुखबिर के द्वारा मिली विवाद की सूचना पर पुलिस ने दबंगों के खिलाफ बलवा में केस दर्ज किया है जिसमें प्रभारी निरीक्षक अखिलेश प्रधान ने बताया कि बीते 5 मई सोमवार को करीब 5 बजे के करीब राजघाट पर झगड़ा की सूचना मिलने के बाद में व उपनिरीक्षक बिशांत कुमार ,हेड कांस्टेबल बलवंत, कांस्टेबल विशाल, विनीत ,नितिन, विशाल समेत पुलिस टीम बल मौके पर पहुंचे जहां राजघाट पर काफी लोग इकट्ठे थे जिनमें सात व्यक्ति आपस में एक दूसरे पर लाठियां बरसा रहे थे इनमें से

तेज रफ्तार बाइक ने युवक को मारी टक्कर युवक की मौके पर ही मौत

दैनिक समाज जागरण ब्यूरो

शमीम सिद्दीकी जनपद बिजनौर

नजीबाबाद में एक दुखद घटना सामने आई। नहर के पास तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान पौड़ी गढ़वाल निवासी 35 वर्षीय पंकज रावत के रूप में हुई है। घटना नजीबाबाद थाना क्षेत्र के नहर के पास हुई। पंकज रावत बस से उतरकर पैदल जा रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर



मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि

पिनेकल स्कूल में विश्व स्वास्थ्य दिवस सप्ताह पर बच्चों को टीडी वैक्सीन लगाई

आई एम खान/दैनिक समाज जागरण ब्यूरो

बिसौली बदायूँ। पिनेकल इंटरनेशनल एकेडमी स्कूल में विश्व स्वास्थ्य दिवस सप्ताह के अंतर्गत 10 और 16 साल के बच्चों को टीडी की वैक्सीन लगाई गई। ताकि बच्चों को जानलेवा घातक बीमारी टेटनस और डिप्थीरिया से बचाया जा सके। मंगलवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस सप्ताह के अंतर्गत पिनेकल इंटरनेशनल एकेडमी में टीडी वैक्सीनेशन का अभियान चलाया



गया। जिसमें कक्षा पांच तथा कक्षा दस के बच्चों का सफल टीकाकरण हुआ। इस मौके पर स्कूल के प्रिंसिपल विनोद सिंह पटेल, सुकेंद्र,

बांके बिहारी कॉलेज ऑफ लॉ के विधि विद्यार्थियों ने किया जिला कारागार का भ्रमण

आई एम खान/दैनिक समाज जागरण ब्यूरो

बदायूँ। बांके बिहारी कॉलेज ऑफ लॉ के विधि विभाग के छात्रों ने जिला कारागार का दो दिवसीय शैक्षिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को दण्ड प्रक्रिया, जेल प्रशासन, कारावास में सुधारात्मक नीतियों तथा कैदियों के अधिकारों की व्यवहारिक जानकारी देना रहा। इस दौरान कॉलेज प्राचार्य डॉ. अरुण प्रकाश सिंह ने बताया कि इस प्रकार के शैक्षिक भ्रमण विधि विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान को समृद्ध करते हैं और उन्हें न्याय प्रणाली को गहराई से समझने में सहायक सिद्ध होते हैं।कारागार



परिसर में विद्यार्थियों को जेल की कार्यप्रणाली, सुरक्षा व्यवस्था, कैदियों की दिनचर्या, पुनर्वास योजनाओं एवं जेल मैनुअल की जानकारी दी गई। भ्रमण के दौरान जेल अधीक्षक राजेंद्र कुमार, जेलर कुंवर रणजय सिंह एवं उप जेलर मो. खालिद खान, गणेश चतुर्वेदी उपस्थित रहे। जिन्होंने विद्यार्थियों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए उन्हें जेल प्रशासन के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। इस शैक्षिक भ्रमण में प्रवक्ता डॉ. पंकज, डॉ. विक्रम सक्सेना, मिस रोमा गुप्ता, अंतरिक्ष कुमार आदि मौजूद रहे।

पाकिस्तान पर वाटर स्ट्राइक के लिए धन्यवाद मोदी जी = अजय शर्मा

समाज जागरण/पंकज राघव

संभल हिंदू जागृति मंच की बैठक में सिंधु नदी का जल रोक कर पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए भारत सरकार का धन्यवाद देकर खुशियां मनाई गई। दुर्गा कालोनी के जानदीप मंदिर में आयोजित बैठक में हिंदू जागृति मंच के कार्यकर्ताओं ने भारत सरकार द्वारा सिंधु जल समझौते पर अमल करने को भारत सरकार के लिए धन्यवाद बोलकर प्रसन्नता व्यक्त की गई। बैठक को संबोधित करते हुए हिंदू जागृति मंच के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार शर्मा ने कहा कि सिंधु जल समझौते को रद्द करके पाकिस्तान का पानी रोकने का सप्ताहस आठ तक कोई भी सरकार नहीं कर सकी। यह कार्य भी मोदी सरकार ने पूरा किया।



अब पाकिस्तान को अन्न, जल और बिजली के बिना तड़पने के लिए छोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों को मोदी सरकार पर पूर्ण विश्वास है कि पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाया जाएगा जो दुनिया में उदाहरण बनेगा। हिंदू जागृति मंच के जिला अध्यक्ष अरुण कुमार अग्रवाल ने पाकिस्तान

पर आर पार की सैन्य कार्रवाई करने की वकालत की। रचित रस्तोगी, मोहित गुप्ता, सुमन वर्मा, राजेंद्र गुर्जर, सुभाष चंद्र शर्मा, अरविंद शंकर शुक्ला, अंकुर रस्तोगी, सुभाष चंद्र मोगिया, अमित वाघणेंय, पंकज सांख्यधर, उमेश सेनी, विनोद कुमार अग्रवाल, साहिल गांधी, वैभव छाबड़ा आदि ने भारत सरकार द्वारा सिंधु नदी के जल को रोक कर पाकिस्तान पर वाटर स्ट्राइक करने के फैसले पर प्रसन्नता व्यक्त की। इसे प्रत्येक भारतीय को गर्व करने का समय बताया साथ ही भारत सरकार से यथाशीघ्र पाकिस्तान पर सैन्य कार्रवाई करने की पुरजोर मांग की। बैठक की अध्यक्षता सुबोध कुमार गुप्ता ने की संचालन विकास कुमार वर्मा ने किया।

बहजोई में विभिन्न दुकानों पब्लिक प्रतिष्ठानों पर बाल श्रम कर रहे बच्चों का निरीक्षण किया गया ।

दैनिक समाज जागरण

बहजोई पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के आदेश के अनुक्रम एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) सम्भल अनुकृति शर्मा तथा पुलिस उपाधीक्षक डा0 प्रदीप कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में बाल श्रम के इंस्पेक्टर विनोद कुमार शर्मा ब चाइल्डलाइन की टीम के साथ प्रभारी निरीक्षक सत्य विजय सिंह थाना AHT जनपद संभल ने मय टीम के साथ कस्बा बहजोई में विभिन्न दुकानों /पब्लिक प्रतिष्ठानों पर बाल श्रम कर रहे बच्चों को चेक किया गया । इस दौरान नियमानुसार चार बच्चों को रेस्क्यू कर दुकानों / प्रतिष्ठानों के मालिक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई तथा इस्लामनगर बहजोई रोड पर उपस्थित



08 ईट भट्टों पर जाकर वहां पर उपस्थित भट्ठा मालिक/ मैनेजर व ठेकेदारों, श्रमिकों व उनके परिवार वालों को बाल श्रम में बच्चों को न लगाने के संबंध में जागरूक किया गया एवं बताया गया कि किसी भी दशा में 18 वर्ष से कम उम्र के

बालकों को कम पर रखा ना जाए ऐसा करना दंडनीय अपराध है तथा इमरजेंसी सहायता हेतु शासन एवं प्रशासन द्वारा जारी टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1090, 1098, 108, 112, 1076, 181 आदि के संबंध में जानकारी दी गई '

इं. अमित कुमार अध्यक्ष, इं. विपिन कुमार सचिव एवं इं. दयानंद जोशी वित्त सचिव चुने गये

दैनिक समाज जागरण ब्यूरो

शमीम सिद्दीकी जनपद बिजनौर

बाक्स सिविल डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ पूर्वी गंगा नहर निर्माण खण्ड-6 नजीबाबाद की खण्डीय कार्यकारिणी का गठन नजीबाबाद पूर्वी गंगा नहर निर्माण खण्ड-6, नजीबाबाद में इं. अमित कुमार की अध्यक्षता में जुनियर इंजीनियर्स कक्ष में सिविल डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में अन्यत्र खण्ड से स्थानांतरित होकर आए सदस्य सहायक अभियंता इं. ईश्वर सिंह का स्वागत किया गया। इसके पश्चात खण्ड की नवीन कार्यकारणी का गठन किया गया । सर्वसम्मति से सिडिइए की खण्डीय कार्यकारिणी हेतु इं. अमित कुमार अध्यक्ष, इं. विपिन कुमार सचिव एवं इं. दयानंद जोशी वित्त सचिव पद पर चुने गये। बैठक में सहायक अभियंता



इं. संजय गुप्ता एवं इं.ईश्वर चन्द्र, जुनियर इंजीनियर अमित कुमार, अनुज कुमार, विकास वारी, गौरव चौदी, दयानंद जोशी, प.विपिन कुमार

,राजेन्द्र कुमार शर्मा एवं सत्यवीर सिंह आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे। बैठक का संचालन इं. विपिन कुमार ने किया।

22 वर्षीय युवक का शव आम के पेड़ से लटका हुआ मिला पुलिस जुटी जांच मे

दैनिक समाज जागरण

ब्यूरो शमीम सिद्दीकी जनपद बिजनौर

किरतपुर (बिजनौर)। किरतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जीवन सराय में मंगलवार सुबह एक युवक का शव सदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिला। मृतक के हाथ रस्सी से पेड़ से बंधे हुए थे और मुंह कपड़े से ढका हुआ था। इस स्थिति में शव का मिलना कई सवाल खड़े कर रहा है, जिससे आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या की आशंका गहरा गई है। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान हेंसी (22 वर्ष) पुत्र विनोद, निवासी गांव ढाकी साधो, थाना किरतपुर के रूप में हुई है। युवक सोमवार रात करीब आठ बजे बिजनौर जाने के लिए घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। परिजन रातभर

उसकी तलाश करते रहे, और मंगलवार सुबह गांव के पास खेतों में उसका शव पेड़ से लटका मिला। घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए जांच की मांग की है। सूचना मिलते ही सीओ नजीबाबाद और थाना प्रभारी किरतपुर मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है और फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। हेंसी अविवाहित था और दो बहनों का इकलौता भाई था। उसकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मां-बाप बेसुध हैं और बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में मातम पसरा है, हर आंख नम है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द हत्यारों का पदार्पण करने की मांग की है।

